an>

Title: Regarding increasing incidents of femals foeticide in the country.

श्री राहुल शेवाले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : महोदय, मैं आपके माध्यम से आज एक महत्वपूर्ण विषय की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। इन दिनों हम सभी एक ऐड सुन रहे हैं, "मेरा देश बदल रहा है और तरक्की कर रहा है।" यह ऐड अच्छा है और देश को तरक्की भी करनी चाहिए, लेकिन क्या वास्तव में हम बदल रहे हैं। हमारे प्रधानमंत्री जी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा दिया। नारा अच्छा है और प्रधानमंत्री जी की भूमिका भी अच्छी है, पर क्या हम इस घोषणा के मुताबिक कुछ करते हैं? यह एक सवाल है।

आज कन्या भ्रूण हत्या एक बहुत बड़ा मुद्दा बन गया है। महाराष्ट्र के महैसाल में जो कुछ हुआ, उससे हमारी गर्दन शर्म से झुक जाती है। रिद्रापुरे नाम के एक डाक्टर ने हैवान का रूप लेकर जो निंदनीय काम किया है, उससे यही सवाल पैदा होता है कि क्या सचमुच हम तरक्की कर रहे हैं? डॉ. रिद्रापुरे से पहले भी महाराष्ट्र के बीड में डा. सुदाम मुंडे ने ऐसा ही कारनामा किया था। ऐसे ही बहुत से डाक्टर देश भर में जगह-जगह पर हैं। डॉक्टर को हम भगवान का रूप मानते हैं। ऐसे डॉक्टरों ने हैवान जैसा काम करके अपनी प्रोफेशन को बदनाम किया है।

महोदय, कन्या भ्रूण हत्या एक गंभीर अपराध है। आपके माध्यम से मेरी सरकार से यही मांग है कि इसको रोकने के लिए सरकार को आवश्यक कदम उठाने चाहिए और दोषियों के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने का प्रावधान हमारे कानून में करना चाहिए।

धन्यवाद।

माननीय सभापति :

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री राहुल शेवाले द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।